



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रतिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 102]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 19, 1991/माघ 30, 1912

No. 102] NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 19, 1991/MAGHA 30, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के क्षय में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1991

का.आ. 111(अ).—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में ऐसा करना प्रावश्यक और समीचीन है;

यह, केन्द्रीय सरकार, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 4क के उपनियम (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (कंपनी कार्य विभाग) की प्रधिसूचना संख्या 80(अ) तारीख 3 मार्च, 1986 का निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथात्:—।

उक्त प्रधिसूचना की मनुसूची में, कम संख्याक 50 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्याक और प्रविष्टियाँ जोड़ी जाएंगी, प्रथात्:—।

क्रम सं.	उद्योग का नाम	विस्तृत बैठक-वर्णन के अन्तर्गत विनियोग के लिये अनुज्ञात मर्दे
1	2	3

"51 पूर्णतः या भागतः जूट से जिममें जूट, सुतली और रस्सी है से बनी टेक्स्टाइल्स (जिममें वह भी है जो रंगित, छोड़ी हुई या अस्थाया प्रसंस्कृत का गई हो)

बोग, हैसियन, जूट सुतली और जूट रस्सी जैसी परंपरागत जूट ऐकेजिंग मामी को छोड़कर जूट-जूट मिश्रित सूत जूट मिश्रित सजावटी फैक्ट्रिक, बस्टों के लिये जूट प्राषारित फैक्ट्रिक, जूट पटलन, जूट कालीन जूट कम्बल और जूट नमदा जैसे जूट उत्पादों के विनियोग के लिये सभी फाइबरों का उपयोग नाहूं वे प्राकृतिक मानव निमित या अपार्टेंटिक हों, प्रथात्:— कपास, ऊन, संरिलेट, मन, रेमी, अम्बनास पर्सी और इन फाइबरों से बने अस्थ फाइबर और सूत)

1	2	3
52.	ईस्टाइल्स (जिसमें वह भी है जो रंगित छपी हुई या अन्यथा प्रसंस्कृत की गई हो) :—	ओरा, हैमिन, जूट सुतरी और जूट रसी जैसी परंपरागत जूट ऐकेजिंग सामग्री को छोड़कर जूट, जूट मिश्रित सूत, जूट मिश्रित मजाबटी फैब्रिक, बन्धों के लिये जूट आधारित फैब्रिक जूट पटलन, जूट, कालीन, जूट कंबल और जूट नमवा जमज़से उत्पादों के विनिर्माण के लिए जूट फाइबरों और अपारंपरिक अपारंपरिक मन, रेसी घनन्ताम पनी आदि और इन फाइबरों से बने सूत का उपयोग।"
(1)	पूर्णतः या भागतः कपास से बनी, जिसमें सूती मूल होजियरी और रसी है;	
(2)	पूर्णतः या भागतः ऊन, से बनी हुई जिसमें दीर्घ ऊन, ऊनी सूट, होजियरी, कालीन और सोटा ऊनी बम्ब है;	
(3)	पूर्णतः या भागतः मानव निर्मित फैब्रिम सिलिंट फाइबर में बनी (जिसमें ऐसे फाइबर का सूत और होजियरी है)।	

[संख्या 5/25/89-एमा]

एस. वी. मिह, उप सचिव

टिप्पण : मूल अधिसूचना सं. 80(भ) भारत के राजपत्र असाधारण भाग 2 खंड 3 उपखंड (ii) में तारीख 3-3-1986 को प्रकाशित की गई थी जिसमें निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा पश्चात्कर्ता संशोधन किये गये :—

- (1) का.आ. 919(अ) तारीख 16-12-1986
- (2) का.आ. 300(भ) तारीख 2-4-1987
- (3) का.आ. 1006(भ) तारीख 1-11-1988
- (4) का.आ. 1204(भ) तारीख 27-12-1988
- (5) का.आ. 140(भ) तारीख 2-2-1989
- (6) का.आ. 491(भ) तारीख 28-6-1989
- (7) का.आ. 747(भ) तारीख 19-9-1989
- (8) का.आ. 839(भ) तारीख 19-10-1989
- (9) का.आ. 230(भ) तारीख 16-03-1990

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th February, 1991

S.O. 111(E).—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 4A of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby makes the following amendments to the Notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Company Affairs) No. 80 (E), dated the 3rd March, 1986, namely:—

In the schedule to the said notification, after serial number 50 and the entries relating thereto, the following serial numbers and the entries shall be added, namely:—

S. No.	Name of the Industry	Items permitted for manufacture under broad banded description
1	2	3
“51.	Textiles (including those dyed, printed or otherwise processed) made wholly or in part of jute, including jute, twine and rope.	Utilisation of all fibres whether natural, man-made or non-conventional, namely, cotton, wool, synthetic, flax, ramie, pineapple leaves and other fibres and yarn made of these fibres for manufacture of jute

1

2

3

products such as jute, jute blended yarn, jute, ute blended decorative fabrics, jute based fabrics for garments, jute laminates, jute carpets, jute blankets and jute felt except for traditional jute packaging materials like sacking, hessian, jute twine and jute rope.

52. Textiles (including those dyed, printed or otherwise processed):—

- (i) made wholly or in part of cotton, including cotton yarn, hosiery and rope;
- (ii) made wholly or in part of wool, including wool tops, woollen yarn, hosiery, carpets and druggets;
- (iii) made wholly or in part of synthetic artificial (man made fibre, including yarn and hosiery of such fibres).

Utilisation of jute fibres and non-conventional fibres namely flax, ramie, pineapple leaves etc. and yarn made of these fibres for the manufacture of jute products such as jute, jute blended decorative fabrics, jute based fabric for garments, jute laminates, jute carpets, jute blankets and jute felt except for traditional jute packaging materials like sacking, hessian, jute twine and jute rope."

[No. 5/25/89 M-I]

S.B. SINGH, Dy. Secy.

NOTE: The principal Notification No. 80(E) was published in part-II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India Extraordinary on 3-3-1986, as subsequently amended by Notification Nos.:—

- (i) S.O. 919(E) dated 16-12-1986
- (ii) S.O. 300(E) dated 2-4-1987
- (iii) S.O. 1006(E) dated 1-11-1988
- (iv) S.O. 1204(E) dated 27-12-1988
- (v) S.O. 140 (E) dated 2-2-1989
- (vi) S.O. 491 (E) dated 28-6-1989
- (vii) S.O. 747(E) dated 19-9-1989
- (viii) S.O. 839 (E) dated 19-10-1989
- (ix) S.O. 230(E) dated 16-3-1990.

